TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

पुण्यतिथि विशेष

27 मई 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

सही शिक्षा से ही समाज की बेहतर व्यवस्था का निर्माण किया जा सकता है।

जवाहरलाल नेहरू

(भारत के प्रथम प्रधानमंत्री)

जन्म: **14** नवंबर **1889** मृत्यु: **27** मई **1964**

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

दिवस विशेष

27 मई

मधु प्रिया

जवाहरलाल नेहरू का निधन 27 मई

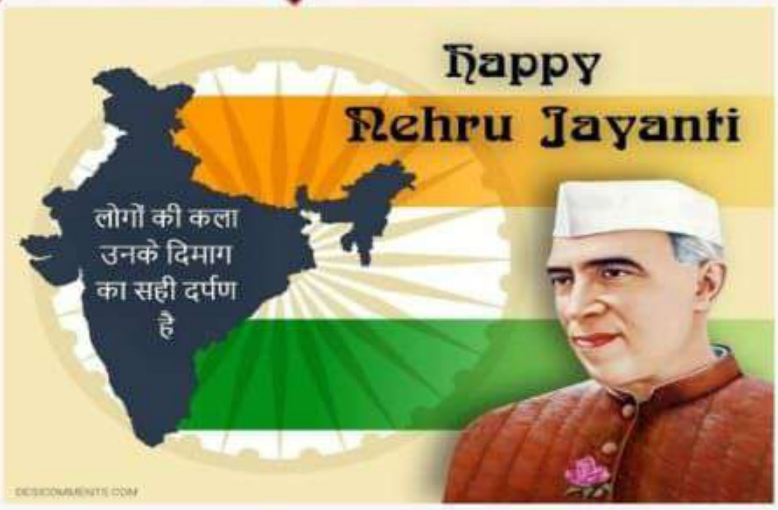

पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म **14** नवंबर **1889** इलाहाबाद के एक धनाढ्य परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम मोतीलाल नेहरू और माता का नाम स्वरूपरानी था। पिता पेशे से वकील थे। उनकी **3** पुत्रियां थीं और जवाहरलाल नेहरू उनके इकलौते पुत्र थे। वे स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। बच्चों के प्यारे 'चाचा नेहरू' के रूप में पंडित जवाहरलाल नेहरू देश को प्रगति के पथ पर ले जाने वाले खास पथप्रदर्शक थे। **27** मई को हर साल देश अपने पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाता है। **27** मई **1964** हिंदुस्तान की वह तारीख थी जिस दिन देश ने अपने पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को हमेशा के लिए खो दिया था। अचानक हुई उनकी मौत ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था। यह उनकी लोकप्रियता ही थी कि पूरे विश्व के अखबारों में उनकी मौत की खबर को कवर किया गया था। न्यूयॉर्क टाइम्स ने पहले पन्ने पर भारतीय प्रधानमंत्री की मौत की खबर को सेकंड लीड बनाया था। दुनिया के दूसरे बड़े अखबारों मे भी जवाहर लाल नेहरू की खबर को प्रमुखता दी गई थी।भारत में तो मातम का माहौल था ही। भारत को आजादी मिले कुछ ही साल हुए थे, ऊपर से **1962** में भारत चीन से युद्ध भी हार चुका था। इन सबके बीच प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का भारत को यूं छोड़ कर जाना पूरे देश के लिए पीड़ादायक था। हालांकि सोशल मीडिया के जमाने में उनकी मौत को लेकर तमाम तरीके के भ्रम फैलाने की कोशिश होती है, पर उस दौर की तमाम किताबों , नेहरू के मित्रों, समकालीन नेताओं और अधिकारियों की किताबों और संस्मरणों से जो बात सबसे पुख्ता तरीके से निकल कर आती है वो यही है कि उनकी मौत का असली कारण चीन का विश्वासघात था। सही मायनों में उनकी मौत हार्टअटैक की वजह से हुई थी। लेकिन उसे चीन से जोड़ कर इस लिए देखा जाता है क्योंकि चीन के भारत पर हमले के बाद से ही उनकी सेहत बिगड़नी शुरू हुई थी। **1962** में जब भारत चीन से युद्ध हारा तो उसके बाद से ही प्रधानमंत्री नेहरू की सेहत गिरने लगी थी,कारण था कि वह इस युद्ध में भारत की हार को सह नहीं पा रहे थे। शायद अंदर ही अंदर नेहरू खुद को इसका जिम्मेदार मानते थे।

पुण्यतिथि विशेष 27 मई

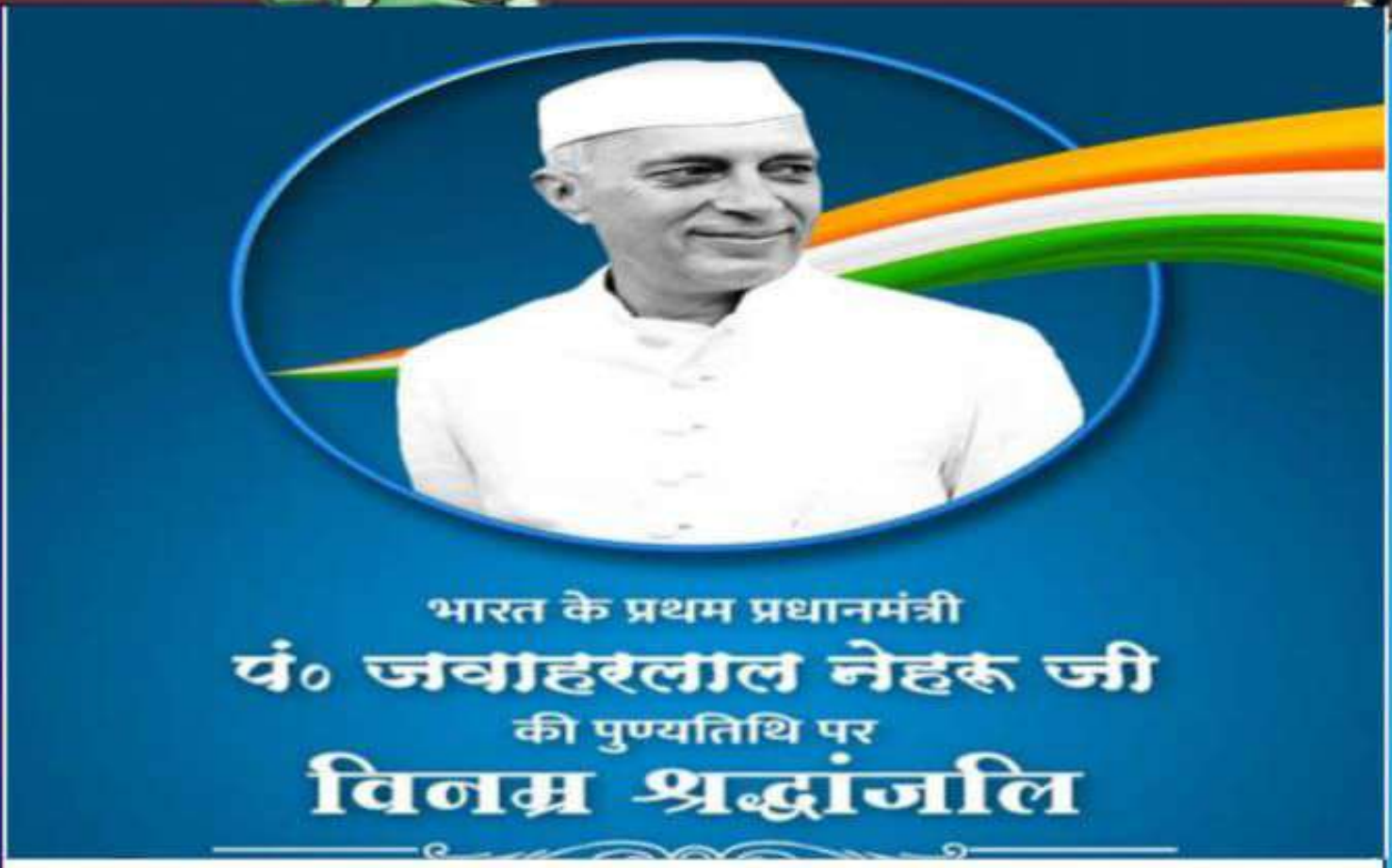

पंडित जवाहरलाल नेहरू *Jawaharlal Nehru*, जन्म: 14 नवम्बर, 1889; मृत्यु: 27 मई, 1964) भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के महान् सेनानी एवं स्वतन्त्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री (1947-1964) थे। जवाहर लाल नेहरू, संसदीय सरकार की स्थापना और विदेशी मामलों में 'गुटनिरपेक्ष' नीतियों के लिए विख्यात हुए। 1930 और 1940 के दशक में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से वह एक थे।

वैज्ञानिक कारण

SCIENCE

कोई वस्तु हमें रंगीन दिखाई देती है, क्यों?

क्योंकि सफेद प्रकाश सात रंगों का सम्मिश्रण होता है तथा किसी स्रोत से चलती हुई प्रकाश की किरण जब किसी वस्तु से टकराने के बाद हमारी आंखों तक पहुँचती है तब हमें बस्तु दिखाई देती है। इस क्रिया में बस्तु कुछ रंगों को अवशोषित कर कुछ को परावर्तित कर देती है ।जिस रंग को बस्तु परावर्तित करती है वह उसी रंग की दिखाई पड़ती है।

Madhu priya

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025

एक पृथ्वी ,एक स्वास्थ्य के लिए योग

पश्चिमोत्तानासन

सपना कुमारी , वर्ग -8

पश्चिमोत्तानासन, जिसका अर्थ है "तीव्र पश्चिमी खिंचाव", दंडासन में बैठकर आगे की ओर झुकने तथा दोनों हाथ से पैर को पकड़ कर केहुंनी आसन से लगाने वाला आसन है जो रीढ़, हैमस्ट्रिंग और पीठ के निचले हिस्से को खींचता है । इसे एक शक्तिशाली आसन माना जाता है जो पाचन तंत्र को उत्तेजित कर मन को शांत करता है।

Mritunjayam

www.teachersofbihar.org

भारत का इंग्लैंड दौरा 2025

शेड्यूल		
टेस्ट	**तारीख**	**वेन्यू**
पहला	20 से 24 जून तक	लीड
दूसरा	2 से 6 जुलाई तक	बर्मिंघम
तीसरा	10 से 14 जुलाई तक	लॉर्ड्स
चौथा	23 से 27 जुलाई तक	मैनचेस्टर
पांचवां	31 जुलाई से 4 अगस्त तक	द ओवल

पद्य पंकज

वे मुस्कराते फूल नहीं,
जिनको आता है मुरझाना।
वे तारों के दीप नहीं,
जिनको भाता है बुझ जाना।
वे नीलम के मेघ नहीं,
जिनको है घुल जाने की चाह।
वह अनंत ऋतुराज नहीं
जिसने देखी जाने की राह।

महादेवी वर्मा(आधुनिक मीरा)

Madhu priya

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

Teachers Of Bihar

आओं सीखें

निर्देशन (Instruction)

यह होता है किसी कार्य को "कैसे करना है" यह स्पष्ट रूप से बताना। इसमें स्पष्ट आदेश या कदम-दर-कदम तरीका बताया जाता है। यह आमतौर पर शिक्षण, प्रशिक्षण या कार्य-निष्पादन की स्थिति में होता है। इसमें स्वतंत्रता की जगह निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होता है।

जैसे :- शिक्षक ने निर्देश दिया कि पहले नाम लिखो फिर उत्तर।

VS

मार्गदर्शन (Guidance)

इसका अर्थ है किसी को सही रास्ता दिखाना या सुझाव देना, लेकिन फैसला उस व्यक्ति पर छोड़ देना। यह आमतौर पर व्यक्तिगत, शैक्षिक या कैरियर संबंधी सहायता के रूप में होता है। इसमें लचीलापन और स्वतंत्रता होती है।

जैसे :- करियर मार्गदर्शन से छात्र को सही क्षेत्र चुनने में मदद मिली।

संक्षेप में :-

- निर्देशन = "क्या और कैसे करना है, स्पष्ट आदेश"
- मार्गदर्शन = "क्या करना चाहिए, इसका सुझाव या सलाह"

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **27.05.2025**

बहुआयामी अवधारणा

बहुआयामी अवधारणा का अर्थ है किसी चीज़ का कई आयामों या पहलुओं में समझना या वर्णन करना. यह एक ऐसा दृष्टिकोण है जो किसी चीज़ को केवल एक ही नज़रिये से देखने के बजाय, उसके विभिन्न पहलुओं और जटिलताओं को शामिल करता है ।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

इतिहास में पहली बार सिक्किम को अपना रेलवे स्टेशन रंगपो में मिलने जा रहा है। इससे यह राज्य भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ेगा और पर्यटन व विकास को बढ़ावा मिलेगा।

भारत माता के चरणों में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सेना के जांबाज सैनिक, अशोक चक्र से सम्मानित

हंगपन दादा

की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।

जन्म- 2 अक्टूबर 1979 - मृत्यु - 27 मई 2016

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

त्याग, बलिदान और संघर्ष की प्रतिमूर्ति, बाबा साहेब के जीवन संघर्ष की सहभागी और भारतीय महिलाओं की प्रेरणास्रोत माता

माता रमाबाई अम्बेडकर

की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन।

जन्म-7 फरवरी 1898- मृत्यु- 27 मई 1935

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

HAPPY BIRTHDAY

27 मई 1962

1983 विश्व विजेता टीम के महत्वपूर्ण सदस्य, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान, कोच, कमेंटेटर

रवि शास्त्री

को उनके जन्मदिन पर टीचर्स ऑफ बिहार परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

Madhu priya

/teachersofbihar

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

देश के स्वतंत्रता संग्राम से लेकर
आधुनिक भारत के निर्माण में
अपना अतुलनीय योगदान देने
वाले प्रथम प्रधानमंत्री

जवाहरलाल नेहरु

की पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन।

जन्म-14 नवंबर 1889 - मृत्यु- 27 मई 1964

Madhu priya

www.teachersofbihar.org